यूइंग क्रिश्चियन महाविद्यालय
इलाहाबाद
(इलाहाबाद विश्वविद्यालय का स्वायत्तशासी एवं संघटक कॉलेज)

2015-2016

संस्कृत

बी०ए०

सेमेस्टर - पाठ्यक्रम, 2014 से कार्यान्वित

सामान्य उद्देश्य :-

(1) छात्र संस्कृत भाषा के समझने और प्रयोग करने में समर्थ हों।

(2) उत्तम-साहित्य का अध्ययन करके भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों को समझने में समर्थ हों।

(3) विशाल वाङ्मय के विषय में अधिक से अधिक सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सके।

(4) छात्रों में पठन-पाठन क्षमता हो सके।

(5) लेखन क्षमता एवं

(6) भाषण क्षमता हो सके।

(7) लौकिक तथा वैदिक साहित्य का सामान्य ज्ञान होना तथा प्राचीन भारतीय दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का सामान्य परिचय प्राप्त कराना ही मुख्य उद्देश्य है।

FIRST SEMESTER : GRAMMER

FIRST PAPER

UNIT - I

(क) मुनित्रय (पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि)

(ख) प्रत्याहार

(ग) पद

(घ) उदात्तानुदात्तस्वरित

(ङ) उच्चारण स्थान एवं प्रयत्न

UNIT - II

कारक, प्रथमा से तृतीया तक, सूत्र

प्रथमा - प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमानेत्रेप्रथमा / सम्बोधने च।

द्वितीया - कर्त्तुरीप्सिततमं कर्म।

अकथितञ्च।

कर्मणिद्वितीया।

अधिशीङ्स्थासां कर्म।

उपान्वध्वाङ् वसः।

उभयतः सर्वतः .....।

अभितः परितः .....

अन्तरान्तरेण युक्ते।

कर्म प्रवचनीययुक्ते द्वितीया।

अनुर्लक्षये।

तृतीयार्थे .....।

हीने .....

कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे।

तृतीया -

स्वतंत्रः कर्त्ता।

साधकतमं करणम् ।

कर्तृकरणयोस्तृतीया।

अपवर्गे तृतीया।

सहयुक्तेऽप्रधाने।

हेतौ।

UNIT - III

(1) कारक प्रयोग।

(2) शुद्ध-अशुद्ध

(3) हिन्दी से संस्कृत में कारकों के अनुसार अनुवाद।

UNIT - IV

संस्कृत साहित्य का इतिहास

(1) रामायण

(2) महाभारत

(रचनाकाल, विषयवस्तु, महत्त्व)

FIRST SEMESTER : GRAMMER

2ND PAPER

समय - प्राप्तांक -

UNIT - I (भारतीय संस्कृति एवं गद्यकाव्य)

(1) आश्रम व्यवस्था।

(2) पुरुषार्थ।

UNIT - II (गद्यालोक)

(क) आशीर्वाद मंत्र

(ख) आर्यावर्तवर्णनम्

(ग) स्वस्थजीवनम्

(घ) शिवराजभूषणयोः समागमः

(हिन्दी अनुवाद, पाठ का सारांश)

UNIT - III

(क) कादम्बरी कथामुखम्

(ख) शुद्रकवर्णनम् (आसीत् - शूद्रकोनाम राजा)

(ग) बाणभट्ट का समय

(घ) बाणभट्ट की गद्यशैली

(हिन्दी अनुवाद, पाठ का सारांश)

UNIT - IV प्रमुखगद्यकार एवं रचनाएँ

(क) सुबन्धु - वासवदत्ता

(ख) दण्डी-दशकुमारचरितम्

(ग) बाण - हर्षचरित कादम्बरी

(घ) अम्बिकादत्तव्यास - शिवराजविजय

SECOND SEMESTER

समय - प्राप्तांक -

काव्यशास्त्र एवं महाकाव्य

Ist PAPER

UNIT - I छन्द

अनुष्टुप, आर्या, द्रुताविलम्बित मन्दाक्रान्ता, वंशस्थ, स्रग्धरा, शार्दूलविकीडितम्, वसन्ततिलका, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा।

(1) लक्षण

(2) उदाहरण, सहित स्पष्टीकरण

(3) छन्द मे गण-विन्यास एवं पहचान

(4) रघुवंश प्रथम सवर्ग 1 से 10 तक (हिन्दी अनुवाद)

UNIT - II अलङ्कार

(क) शब्दालङ्कार - अनुप्रास, यमक, श्लेष।

(ख) अर्थालङ्कार - उपमा (भेद रहित) रूपक, सन्देह, भ्रान्तिमान, विभावना, विशेषोक्ति, वक्रोक्ति, उत्प्रेक्षा, निदर्शना, काव्यलिङ्ग, अतिशयोक्ति, काव्यलिङ्ग।

शिशुपालवधम् 1 से 5 श्लोक प्रथम सर्ग (हिन्दी अनुवाद)

UNIT - III रस

परिभाषा, विभाव, अनुभाव, सञ्चारीभाव, नवों रसों का सोदाहरण परिचय, स्थायी भाव।

(श्रङ्गार, हास, करूण, रौद्र, वीर भयानक बीमत्स, अद्भुद, शान्त)
शिशुपालवधम् प्रथम सर्ग 1 से 5 श्लोक (हिन्दी अनुवाद)।

नैषधीयचरितम् प्रथम सर्ग 1 से 5 श्लोक (हिन्दी अनुवाद)।

UNIT - IV महाकाव्य

किरातार्जुनीयम् - प्रथम सर्ग

हिन्दी अनुवाद, सूक्ति, चरित्रचित्रण, आलोचनात्मक परिचय, भारवि का समय।

FIRST SEMESTER : GRAMMER

2ND PAPER

समय - प्राप्तांक - 75

UNIT - I

(1) चतुर्थी -

कर्मणा, यमभिप्रैति स सम्प्रदानम् ।

चतुर्थी सम्प्रदाने।

रूच्यर्थानां प्रीयमाणः।

धारेरूत्तममर्णः।

नमः स्वस्ति स्वाहास्वधा .....।

(2) पञ्चमी

ध्रुवमपायेऽपादानम् ।

आपादाने पञ्चमी

पृथग्विनानानाभि .....।

दूरान्तिकार्थेभ्यो द्वितीया च।

षष्ठी

षष्ठी शेषे।

षष्ठी हेतु प्रयोगे।

दूरान्तिकार्यै षष्ठ्यन्त्यतस्याम् ।

सप्तमी -

आधारोऽधिकरणम् ।

सप्तम्यधिकरणे च।

यस्य च भावेन भावलक्षणम् ।

यतश्च निर्धारणम् ।

(सूत्रों की व्याख्या, उदाहरण सहित)

UNIT - II

(क) मेघदूतम् (पूर्व) - आरम्भ के 10 श्लोक

(ख) उत्तरमेघ सम्पूर्ण

हिन्दी अनुवाद।

सूक्ति की व्याख्या।

चरित्रचित्रण, आलोचानात्मक प्रश्न वर्णनात्मक

UNIT - IV

भर्तृहरि नीतिशतकम् -

श्लोक 8, 15, 19, 22, 25, 54, 55, 58, 60, 67, 75, 86, 88, 95, 100 हिन्दी भावार्थ, सूक्ति की व्याख्या।

(घ) बाणभट्ट की गद्यशैली

(हिन्दी अनुवाद, पाठ का सारांश)

पाठ्य पुस्तकें -

(1) गद्यालोक (इलाहाबाद वि० वि० प्रकाशन)

(2) सिद्धान्तकौमुदी डॉ० आद्याप्रसाद मिश्र

(3) संस्कृत साहित्य का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय अथवा डॉ० कपिलदेव द्विवेदी।

(4) भारतीय संस्कृति - डॉ० रामजी उपाध्याय

(5) छन्दोदलङ्कार सौरमम् - डॉ० राजेन्द्र मिश्र

(6) कादम्बरी कथामुकाम् - डॉ० राजेन्द्र मिश्र

(7) रस निरूपणम् - डॉ० राजेन्द्र मिश्र

(8) किरातार्जुनीयम् - डॉ० राजेन्द्र मिश्र

(9) नीतिशतकम् - गीता प्रेस, गोरखपुर

यूइंग क्रिश्चियन महाविद्यालय
इलाहाबाद

(इलाहाबाद विश्वविद्यालय का स्वायत्तशासी एवं संघटक कालेज)

व्याख्यान सूची बी0ए0 द्वितीय वर्ष
संस्कृत विभाग
2006 से कार्यान्वित

पूर्व सत्र :

प्रथम प्रश्न-पत्र

व्याकरण - १. वर्ण समाम्नाय, वर्णों के भेद, उच्चारणस्थान प्रयत्न, प्रत्याहार
२. इत्, लोप, सवर्ण, संहिता, पद की परिभाषा, उदाहरण
३. सन्धि - स्वर, व्यंजन विसर्ग
(पाठ्य सूत्रों की सूची अन्त में सम्मिलित है)
- लघु सिद्धान्त कौमुदी से

द्वितीय प्रश्न-पत्र

१. काव्यशास्त्र के सिद्धान्त - काव्यस्वरूप, काव्यभेद, शब्दशक्तियां
२. कादम्बरी कथामुखम्, विन्ध्याटवी वर्णनम्

तृतीय प्रश्न-पत्र

अभिज्ञान शाकुन्तलम् नाटक (अंक १-४) का विस्तृत अध्ययन अनुवाद व्याख्या, नाटकीय तत्वों की पहचान, संवाद की विशेषता (प्राकृत अंश सहित)
निर्धारित पाठ्य पुस्तक

नाट्यशास्त्र के पारिभाषिक शब्द - अर्थप्रकृति, अवस्था, सन्धि, अंक, पूर्वरङ्ग प्रस्तावना, नान्दी, नेपथ्य, स्वगत, अपवारित, जनान्तिक, आकाशभाषित, विष्कम्भक प्रवेशक, नायक, नायिका, सूत्रधार, कंचुकी, विदूषक
- दशरूपक से

(१) लघु सिद्धान्त कौमुदी - श्रीधरानन्द शास्त्री अथवा
इन्दुमती टीका
(२) साहित्यदर्पण प्रथम परिच्छेद - डॉ० कमला देवी
(३) अभिज्ञानशाकुन्तलम् - डॉ० कपिलदेव द्विवेदी अथवा
डॉ० बाबू राम त्रिपाठी

उत्तर सत्र

व्याकरण - (i) कृत् प्रत्यय-तव्यत्, तव्य, अनीयर् यत्, ण्यत्, ण्वुल, तृच, ल्यु, णिनि, अच्, अण, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, घञ्, क्तिन्, ल्युट्, मतुप, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्

(प्रत्ययों के प्रयोग पर विशेष बल दिया जायेगा, साधनिका पर नहीं)

(ii) अनुवाद

द्वितीय प्रश्न-पत्र

१. ऋग्वेद का संक्षिप्त परिचय

२. वैदिक साहित्य का संकलित पाठ

(i) ऋग्वेद - (क) विश्वेदेवा सूक्त (ख) विष्णु सूक्त (ग) इन्द्र सूक्त (घ) वाक् सूक्त (ङ) पुरुष सूक्त

(ii) यजुर्वेद - शिवसंकल्प सूक्त

तृतीय प्रश्न-पत्र

अभिज्ञानशाकुन्तलम् अंक (५-७) का विस्तृत अध्ययन

निर्धारित पाठ्य पुस्तक -

वेद चयनम् अथवा वेदमञ्जरी

पाठ्य सन्धि सूत्र (लघु सिद्धान्तकौमुदी से)

अच् सन्धि - इकोयणचि (स्थानेऽन्तरतमः, अनचि च, झलां जश् झशि, संयोगान्तस्य लोपः, अलोऽन्त्यस्य, वा० यणः प्रतिषधो वाच्यः (साधनिका सहित) एचोऽयवायावः (यथासंख्यमनुदेशः, समानाम्), (अदेङ्गुणः, तपरस्तत्कालस्य) आद्गुणः (उरण्रपरः), लोपः शाकल्यस्य (पूर्वत्रासिद्धम्) (वृद्धिरादैच्,) वृद्धिरेचि, वा० प्रादूहोढोढयेषैष्येषु, (उपसर्गाः क्रियायोगे, भुवादयो धातवः) उपसर्गादृति धातौ, एङि पररूपम्, (अचोऽन्त्यादि दि) वा० शकन्ध्वादिषु पररूपं वाच्यम्, ओमाङोश्च (अन्तादिवच्च) अकः सवर्णे दीर्घः एडः, पदान्तादति, (दूराद्धूते च) प्लुतप्रगृह्या अचि नित्यम् (ईदूदेद् द्विवचनं प्रगृह्यम्) इकोऽसवर्णे शाकल्यस्य ह्रस्वश्च, ऋत्यकः

हल सन्धि - स्तोः श्चुना श्चुः शात्, ष्टुनाष्टुः, न पदान्ताट्टोरनाम्, वा० अनामनवतिनगरीणामिति वाच्यम्, तोः षि, झलां जशोऽन्ते, यरोऽनुसिकेऽनुनासिको वा, तोर्लि, उदः स्थास्तम्भोः पूर्वस्य,

(झरोझरि सवर्णे, खरि च) झयो होऽन्यतरस्याम्, शश्छोऽटि, मोऽनुस्वारः नश्चापदान्तस्य झलि, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः वा पदान्तस्य, ङ्मो हस्वादचि ङ्मुण नित्यम्, समः सुटि (अत्रानुनासिकः पूर्वस्य तु वा) अनुनासिकात्परोऽनुस्वारः, खरवसानयोर्विसजनीयः (वा० संपुकानां सो वक्तव्यः), छे च, पदान्ताद्वा।

विसर्ग सन्धि - विसर्जनीयस्य सः, वा शरि, ससजुषोरुः, अतो रोरप्लुतादप्लुते, हशि च, भोभगोअघोअपूर्वस्य योऽशि, रो रि (हलिसर्वेषाम्), ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः,